HLEC ने रक्षा विनिर्माण इकाई के प्रस्ताव को दी मंजूरी

रेडार से एयर डिफेंस तक, चित्रकूट बनेगा डिफेंस हब

AI Image

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में बड़े निवेश का रास्ता साफ हो गया है। उच्चस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एचएलईसी) ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के 600 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी चित्रकूट में रेडार और एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़ी अत्याधुनिक रक्षा विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी।

मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। अब इसे मंत्रिपरिषद की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। कैबिनेट से हरी झंडी मिलने के बाद उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) BEL को औपचारिक 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' जारी करेगा।

एयर डिफेंस सिस्टम, नेक्स्ट जेनरेशन रेडार बनाएगी कंपनी : BEL की ओर से प्रारंभिक निवेश करीब 562.5 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है। भविष्य की रक्षा परियोजनाओं को शामिल करते हुए कुल निवेश 600 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। प्रस्तावित इकाई में QRSAM, कुशा एअर डिफेंस सिस्टम और नेक्स्ट जेनरेशन रडार सिस्टम जैसे उन्नत रक्षा उपकरणों के निर्माण की सुविधा विकसित की जाएगी। साथ ही मेंटनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा भी स्थापित की जाएगी।

एनसिलरी यूनिट्स का होगा विस्तार

निवेश के लिहाज से यह परियोजना चित्रकूट नोड के लिए एंकर प्रॉजेक्ट मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, BEL जैसी बड़ी रक्षा कंपनी के आने से कॉरिडोर में निजी निवेश आकर्षित होगा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े एमएसएमई और एंसिलरी उद्योगों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

300 लोगों को मिलेगा रोज़गार

परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र को भी आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे 300 से अधिक प्रत्यक्ष उच्च-कुशल रोजगार सृजित होंगे, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में रोजगार और निवेश के अवसर पैदा होंगे। बता दें कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत चित्रकूट में विकसित हो रहे नोड में 75 हेक्टेअर भूमि पहले ही BEL को आवंटित की जा चुकी है।